3 जनवरी 2026
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बक्सर को पर्यटन मानचित्र पर उभारने की तैयारी तेज, मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण 2

एक नजर

करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 40 करोड़ रुपये के ट्रेडिंग धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के बांकुरा निवासी अमित मंडल के रूप में हुई है, जिसे 31 दिसंबर को उसके गृह जिले से गिरफ्तार किया गया था।ईओडब्ल्यू अधिकारी ने बताया कि मंडल को वहां की एक स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद शुक्रवार को ओडिशा लाया गया। यह गिरफ्तारी खुर्दा जिले के सुशांत कुमार दास द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर हुई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मंडल और उसके सहयोगियों ने उसे प्रति माह 3.5 से 7 प्रतिशत तक के उच्च मासिक रिटर्न का वादा करके शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। खबरों के मुताबिक, दास ने 2022-2024 के दौरान 8.5 लाख रुपये जमा किए थे

अभिषेक बनर्जी ने फूंका टीएमसी का सियासी बिगुल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर से अपने चुनाव अभियान का आगाज करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ साठगांठ करके 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) प्रक्रिया के जरिए पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों को सीमित करने का प्रयास कर रही है।बनर्जी ने 'अबार जीत बे बांग्ला' (बंगाल फिर जीतेगा) का नारा बुलंद करते हुए दावा किया कि राज्य की जनता आगामी चुनावों में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने और उन्हें 'विदाई' देने के लिए पूरी तरह तैयार है। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "भाजपा एसआईआर की आड़ में बंगाल के लोगों के अधिकारों को सीमित करना चाहती है, लेकिन जनता उन्हें करारा जवाब देगी।

पहाड़ों से मैदान तक कंपकंपाती ठंड, घने कोहरे से आमजन प्रभावित

- हल्की से मध्यम बारिश तथा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना
- बहुत घने कोहरा की आशंका के चलते ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

नए साल की पहली सुबह मौसम ने तीखे तेवर दिखाए। पहाड़ी इलाकों से लेकर उत्तर और मध्य भारत के मैदानी क्षेत्रों तक कड़कड़ाती ठंड रही और घने कोहरे के कारण भी जनजीवन बाधित रहा। कई राज्यों में शीतलहर और कोहरे को लेकर ऑरेंज व यलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर और आसपास के पर्वतीय इलाकों में भारी बारिश और जमकर बर्फबारी से ठंड का प्रकोप और तेज हो गया है। मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, कई स्थानों पर सुबह और रात के समय दृश्यता बेहद कम हो गई है, जिससे सामान्य गतिविधियां तक प्रभावित हो रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ पहले उत्तर पाकिस्तान और आसपास के अफगानिस्तान के हिस्सों में मौजूद था, जो अब पंजाब और उसके आसपास के क्षेत्रों तक पहुंच गया है। इसके प्रभाव से उत्तर भारत में बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर बारिश व बर्फबारी दर्ज की जा रही है। हरियाणा और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इससे पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय और शक्तिशाली बना हुआ है।

कोहरे की चादर में लिपटा उत्तर भारत

मौसम विभाग ने असम, मेघालय, बिहार, पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों तक कोहरे और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बहुत घने कोहरा की आशंका के चलते ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया।

डलहौजी में मौसम की पहली बर्फबारी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि देश में खासकर मध्य और पूर्वी भारत में सामान्य से अधिक दिन शीतलहर चलेगी। विदर्भ व मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों के अलावा मध्य प्रदेश, पूर्वी यूपी और बिहार के कुछ हिस्सों में जनवरी में एक से तीन अतिरिक्त शीतलहर वाले दिन हो सकते हैं। जनवरी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने के आसार हैं। महापात्रा ने कहा, इस वर्ष उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पूर्व को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहेगा। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में ऊंचाई वाले इलाकों में साल के पहले दिन बर्फबारी हुई। वहीं, हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में हल्की बर्फबारी हुई है।

दिल्ली-एनसीआर, पंजाब व हरियाणा में बूंदाबांदी

दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश से ठिठुरन बढ़ गई। मुंबई में नव वर्ष का जश्न लोगों ने बारिश की फुहारों के बीच मनाया। राजस्थान, तमिलनाडु में भी बारिश हुई है। दिल्ली में 5 जनवरी तक शीतलहर रहेगी। 6 जनवरी तक घना कोहरा छाने का अनुमान है। शीतलहर तब होती है, जब न्यूनतम तापमान सामान्य औसत तापमान से 4.5-6.5 डिग्री नीचे गिर जाता है।

गुजरात : मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आइएएस राजेंद्र कुमार गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

ईडी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारी राजेंद्रकुमार पटेल को रिश्वतखोरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि 2015 बैच के आइएएस अधिकारी पटेल हाल ही में गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के जिलाधिकारी थे। एक हफ्ते पहले बिना किसी नई तैनाती के उनका स्थानांतरण किया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रच्सह मोरी को रिश्वतखोरी से जुड़े मनी लांच्ड्रग मामले में गिरफ्तार किया था।केंद्रीय जांच एजेंसी मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के लिए बने कानून पीएमएलए के तहत मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है।गुजरात भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने भी मनी लांच्ड्रग जांच के सिलसिले में ईडी की शिकायत पर पटेल और तीन अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।मोरी को सौराष्ट्र घरखेड़ किरायेदारी बंदोबस्त और कृषि भूमि अध्यादेश 1949 के तहत मालिकाना हक के सत्यापन और भूमि उपयोग परिवर्तन से जुड़े आवेदनों के निपटान काम सौंपा गया था।आरोप है कि मोरी ने अपने पद का दुरुपयोग कर आवेदनों को जल्द मंजूरी देने के लिए आवेदकों से रिश्वत ली।

महिलाओं के आपत्तिजनक कंटेंट पर सरकार ने नोटिस भेजकर मांगा जवाब

एलन मस्क की कंपनी एक्स पर भारत सरकार सख्त

- भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी किया नोटिस

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को एक सख्त नोटिस भेजा है। यह नोटिस एक्स की एआई सर्विस ग्रोक के बारे में है। सरकार को ऐसी खबरें मिली हैं कि ळतवा का गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसका इस्तेमाल महिलाओं को निशाना बनाकर आपत्तिजनक और यौन रूप से स्पष्ट सामग्री बनाने और फैलाने के लिए किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह नोटिस जारी किया है। मंत्रालय का कहना है कि एक्स की एआई सर्विस ग्रोक सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और प्ज नियम, 2021 के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर रहा है। मंत्रालय ने इस बात पर गहरी चिंता जताई है कि ग्रोक की एआई क्षमताओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। यूजर्स इसका इस्तेमाल सिंथेटिक (नकली) तस्वीरें और वीडियो बनाने के लिए कर रहे हैं। यह सामग्री अपमानजनक है और महिलाओं की निजता और गरिमा का उल्लंघन करती है। मेईटी ने चेतावनी दी है कि इस तरह के काम यौन उत्पीड़न को बढ़ावा देते हैं। यह कानूनी सुरक्षा उपायों को कमजोर करते हैं। मंत्रालय ने साफ कहा है कि ऐसी हरकतें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। यह मामला काफी गंभीर है क्योंकि यह सीधे तौर पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है। एआई जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ऐसी तकनीकों का दुरुपयोग न हो। एक्स को इस नोटिस का जवाब देना होगा और बताना होगा कि वे इस समस्या को कैसे ठीक करेंगे। अगर वे नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो सरकार आगे की कार्रवाई कर सकती है। केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सख्त नोटिस जारी किया है। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी- एक्स से जुड़े इस मामले में भारत सरकार ने कड़े निर्देश देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल किए जा रहे अश्लील और गैरकानूनी कंटेंट को हटाने को कहा है। दो जनवरी को जारी इस आदेश में कहा गया है कि एक्स के एआई एप ग्रोक का इस्तेमाल कर बनाए गए कंटेंट तुरंत हटाने होंगे। ऐसा न करने पर कंपनी को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। दायित्वों का पालन करने में विफल रहा एक्स एक्स पर लगे आरोपों का संज्ञान लेते हुए सरकार ने भारत में एक्स के मुख्य अनुपालन को नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि एक्स वैधानिक रूप से उचित दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है।

यूजर्स खुलेआम कर रहे एआई का दुरुपयोग

जब एलन मस्क ने ग्रोक को लॉन्च किया था, तब उन्होंने गर्व से कहा था कि उनके एआई पर अन्य टूल्स (जैसे चैटजीपीटी या जेमिनी) की तरह सख्त पाबंदियां नहीं होंगी। लेकिन अब यही आजादी महिलाओं के लिए खतरा बन गई है। यूजर्स खुलेआम एआई पर उपलब्ध अन्य यूजर्स की तस्वीरों को ग्रोक एआई से मॉर्फ (छेड़छाड़) करवा रहे हैं। विवादों से है पुराना नाता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के एआई टूल- ग्रोक पर अश्लीलता फैलाने के आरोप लगे हैं। इससे पहले खबर आई थी कि ग्रोक को ट्रेनिंग देने वाले कर्मचारियों को बच्चों के यौन शोषण जैसे भयावह कंटेंट को देखने के लिए मजबूर किया गया था। साथ ही, ग्रोक के कंपैनियन मोड को भी इसकी अत्यधिक आपत्तिजनक बनावट और व्यवहार के कारण काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

भारत को बुरे पड़ोसियों से रक्षा का पूर्ण अधिकार : जयशंकर

एजेंसी। नई दिल्ली

आतंकवाद को लेकर एक बार फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की नीति स्पष्ट की है। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि भारत उन पड़ोसियों से अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार रखता है जो आतंकवाद का समर्थन करते हुए नई दिल्ली से सहयोग की उम्मीद करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए साफ कहा कि अच्छे पड़ोसी संबंध और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। विदेश मंत्री एस जयशंकर तमिलनाडु के आईआईटी मद्रास में आयोजित फायरसाइड चैट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर

शामिल होने के लिए चेन्नई पहुंचे। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान की जमकर लताड़ लगाई। भारत की पड़ोस नीति के बारे में एस. जयशंकर ने कहा, 'मैं दो दिन पहले बांग्लादेश में था। हमें कई तरह से बहुत सारे पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी अच्छा है या नुकसान नहीं पहुंचा रहा है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके साथ संबंध बनाते हैं। भारत ऐसे पड़ोसी की मदद करता है, स्वाभाविक रूप से। हमारे ज्यादातर पड़ोसियों को वैक्सीन की पहली खेप भारत से मिली। आतंकवाद पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा, 'जब बात बुरे पड़ोसियों की आती है तो वह आतंकवाद पर अड़े रहते हैं। इसलिए हमें अपने लोगों को आतंकवादियों से बचाने का हक है। हम अपनी रक्षा के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करते हैं। लेकिन अगर आपके यहां दशकों से आतंकवाद है, तो आपके पास अच्छा पड़ोसी नहीं हो सकता।

इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा : राहुल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने कहा कि इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि सीवर पीने के पानी में कैसे मिला। समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई। जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें।

जनता दरबार में जिलाधिकारी साहिला ने सुनी आम लोगों की फरियाद, 47 आवेदनों पर हुई सुनवाई

■ **समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जनता दरबार, संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर जिलाधिकारी साहिला द्वारा नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी ने आम नागरिकों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दरबार के दौरान कुल 47 आवेदनों पर सुनवाई की गई, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व से जुड़े मामले, आवास योजना, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, अतिक्रमण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन शामिल थे। जिलाधिकारी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी साहिला ने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों की जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा निष्पादन की प्रगति से जिला प्रशासन को अवगत कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जनता दरबार में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिन मामलों का त्वरित समाधान संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किया जाए, वहीं जटिल मामलों में संबंधित विभागीय प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ किया जाएगा।

जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिकों को सीधे जिला प्रशासन तक अपनी बात रखने का अवसर मिल रहा है, जिससे प्रशासन और जनता के बीच विश्वास मजबूत हो रहा है। सुनवाई के बाद कई फरियादियों ने जिला प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस जनता दरबार को सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आम लोगों को न्याय और राहत समय पर मिले।

रामरेखा घाट एक्सपीरियंस सेंटर से लेकर लाईट एंड साउंड प्रोजेक्ट तक की समीक्षा, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य के निर्देश

बक्सर को पर्यटन मानचित्र पर उभारने की तैयारी तेज, मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में पर्यटन विकास को गति देने की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली, जब बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने जिले में पर्यटन विभाग द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल चल रही योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया, बल्कि भविष्य में बक्सर को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा भी की। निरीक्षण क्रम में मंत्री ने पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रामरेखा घाट एक्सपीरियंस सेंटर, पर्यटक सुविधाओं से युक्त रेस्टोरेंट, संपर्क पथ सहित अन्य विकास योजनाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना के कार्यपालक अभियंता को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। मंत्री ने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पर्यटन सुविधाओं को इस तरह विकसित किया जाए कि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने रामरेखा घाट पर हाल ही में नवनिर्मित लाईट एंड साउंड प्रोजेक्ट का भी अवलोकन किया। उन्होंने इस परियोजना को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे न केवल स्थानीय लोगों को अपनी विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी यह एक आकर्षण का केंद्र बनेगा। मंत्री ने परियोजना के तकनीकी पक्ष, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि गुणवत्ता और प्रस्तुति की प्रभावशीलता पर भी अधिकारियों से जानकारी ली। रामरेखा घाट के सौंदर्यीकरण को लेकर मंत्री ने विशेष जोर दिया। उन्होंने विभागीय वास्तुविद को निर्देश दिया कि घाट के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण और पर्यटक सुविधाओं के विस्तार के लिए एक विस्तृत और व्यावहारिक प्रस्ताव तैयार कर विभाग को समर्पित किया जाए। मंत्री ने कहा कि रामरेखा घाट का धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक है और इसे सुनियोजित तरीके से विकसित कर बक्सर को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार सरकार बक्सर में पर्यटन विकास को लेकर पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने कहा कि बक्सर की पहचान केवल धार्मिक नगरी के रूप में ही नहीं, बल्कि एक समग्र पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित की जानी चाहिए। इसके लिए आधारभूत संरचना, पर्यटक सुविधाएं, स्वच्छता, सुरक्षा और प्रचार-प्रसार सभी पहलुओं पर समान रूप से ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन के विकास से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और जिले की आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। सरकार का प्रयास है कि बक्सर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलें, ताकि वे यहां अधिक समय बिताएं और दोबारा आने के लिए प्रेरित हों।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, पर्यटन विकास निगम के प्रतिनिधि एवं स्थानीय प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मंत्री को योजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रस्तावित कार्यों और आगामी रणनीति से अवगत कराया। मंत्री ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने का निर्देश दिया।

कुल मिलाकर, मंत्री का यह दौरा बक्सर में पर्यटन विकास को नई दिशा देने वाला साबित हुआ है। इससे यह संकेत स्पष्ट है कि आने वाले समय में बक्सर को एक सुव्यवस्थित, आकर्षक और सुविधायुक्त पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

एक नजर

ठंड में बिजली की अनियमित ट्रिपिंग से जनजीवन प्रभावित, किसान भी परेशान

केसठ। प्रखंड क्षेत्र में बीते कई दिनों से बिजली की अनियमित आपूर्ति और बार बार हो रही ट्रिपिंग ने आम लोगों के साथ साथ किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। कड़ाके की ठंड के बीच बिजली कटौती से ग्रामीण इलाकों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। रात के समय बिजली नहीं रहने से हीटर, बल्ब सहित अन्य आवश्यक उपकरण बेकार हो जा रहे हैं, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को खासा दिक्कत झेलनी पड़ रही है।किसानों का कहना है कि बिजली की आंख मिचौली के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। समय पर खेतों में पानी नहीं पहुंच पाने से रबी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कई गांवों में दिन में कई बार और रात में भी घंटों बिजली गुल रहने से लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से शीघ्र स्थायी समाधान कर नियमित बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में बिजली विभाग के जेई अवनीश कुमार ने बताया कि विभाग को आवश्यकता के अनुरूप बिजली नहीं मिल पा रही है। शहरी क्षेत्रों में बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण वहां अधिक बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त बिजली आपूर्ति के लिए वरीय पदाधिकारियों से मांग की गई है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को भी राहत मिल सके।

कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त व्यस्त, पीएचसी में बढ़ी मरीजों की संख्या

केसठ। प्रखंड क्षेत्र में बीते कई दिनों से कड़ाके की ठंड लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। ठंड के प्रकोप का सीधा असर स्वास्थ्य पर भी देखने को मिल रहा है। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सर्दी, खांसी, बुखार, बदन दर्द और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। खासकर बुजुर्ग, छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं ठंड के कारण अधिक प्रभावित हो रही हैं। पीएचसी में प्रतिदिन इलाज कराने पहुंचने वाले मरीजों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक हो गई है। सुबह से ही अस्पताल परिसर में मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार ठंड बढ़ने से वायरल संक्रमण, निमोनिया और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं।इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार ने बताया कि ठंड के मौसम में विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाएं अपने खान पान का विशेष ध्यान रखें, पौष्टिक और गर्म भोजन का सेवन करें तथा ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग अवश्य करें। इसके साथ ही उन्होंने बुजुर्गों और बच्चों को भी ठंड से बचाकर रखने की सलाह दी। डॉ. कुमार ने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की तबीयत खराब होने पर लोग स्वयं दवा लेने से बचें और तुरंत पीएचसी पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लें। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बढ़ती ठंड को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है।

कोचिंग सेंटर में छात्रा से मारपीट का आरोप, भड़का आक्रोश

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र स्थित एक निजी कोचिंग सेंटर शुक्रवार दोपहर उस समय विवाद और तनाव का केंद्र बन गया, जब एक छात्रा ने कोचिंग संचालक पर थप्पड़ मारने का गंभीर आरोप लगाया। मामूली नोकझोंक से शुरू हुआ मामला देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई थाना की पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार कोचिंग में पढ़ने वाले एक छात्र और छात्रा के बीच किसी बात को लेकर पहले गाली-गलौज हुई। छात्रा का आरोप है कि संबंधित छात्र ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस पर छात्रा ने कोचिंग संचालक से शिकायत की, लेकिन आरोप है कि संचालक ने आरोपी छात्र को समझाने के बजाय छात्रा को ही थप्पड़ मार दिया। इस घटना से छात्रा आहत हो गई और उसने तत्काल अपने अभिभावकों को इसकी सूचना दी। छात्रा के अभिभावकों के कोचिंग सेंटर पहुंचते ही माहौल गरमा गया। देखते ही देखते अन्य लोग भी जुटने लगे और कोचिंग परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृष्णाब्रह्म थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए चक्की, नया भोजपुर और ब्रह्मपुर थाना की पुलिस को भी बुला लिया गया। पुलिस की तत्परता से बड़ा बवाल टल गया और स्थिति पर नियंत्रण पाया गया।

राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ चौसा के विशाल का चयन

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड की मिट्टी से निकली प्रतिभा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि संसाधनों की कमी कभी भी सपनों की उड़ान नहीं रोक सकती। चौसा के युवा वॉलीबॉल खिलाड़ी विशाल कुशवाहा का चयन पटना टीम के माध्यम से राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और समर्पण की कहानी है, बल्कि जिले के उन हजारों युवाओं के लिए भी प्रेरणा है जो सीमित साधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य देखते हैं। विशाल कुशवाहा की खेल यात्रा किसी आधुनिक अकादमी या बड़े शहर से नहीं, बल्कि गांव के मैदान और स्कूल के अभ्यास से शुरू हुई। चौसा आदर्श उच्च विद्यालय में पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने वॉलीबॉल में अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी थी। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में टीम का नेतृत्व करते हुए उनके प्रदर्शन ने शिक्षकों और खेल प्रशिक्षकों का ध्यान खींचा। इसके बाद जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगितियों में लगातार बेहतर खेल दिखाकर उन्होंने यह साबित किया कि प्रतिभा अवसर मिलने पर खुद रास्ता बना लेती है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे चौसा क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। जब विशाल अपने गृह क्षेत्र लौटे तो उनका स्वागत किसी उत्सव से कम नहीं था। ढोल-नगाड़ों की गूंज, फूल-मालाओं और नारों के बीच ग्रामीणों ने अपने खिलाड़ी को सिर आंखों पर बिठाया। यह दृश्य इस बात का प्रतीक था कि गांव अपने बेटे की सफलता को अपनी जीत मानता है। सम्मान समारोह के दौरान बिहार सरकार के राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य राजू खरवार ने विशाल को सम्मानित करते हुए कहा कि अनुशासन, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास ही किसी खिलाड़ी को शिखर तक पहुंचाता है।

निजी अस्पताल में प्रसव के बाद जच्चा बच्चा की मौत परिजनों ने काटा बवाल, आशा पर लगाए गंभीर आरोप

■ **मठिला की रहने वाली थी प्रसूता, अनुमंडलीय अस्पताल ले जाने के बहाने आशा ने पहुंचा दिया निजी अस्पताल**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद एक जच्चा-बच्चा की मौत हो गई है। इस घटना के बाद स्वजनों ने जमकर बवाल काटा तथा अस्पताल प्रबंधन पर व अपने पंचायत की आशा कार्यकर्ता पर गंभीर आरोप लगाए है। स्वजनों का आरोप है कि मठिला की आशा जानकी देवी ने उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल ले जाने का झांसा दे डुमरांव के टिचर टेर्जनिंग कॉलेज के समीप स्थित एक निजी क्लीनिक में लेकर गई, जहां गलत इलाज के कारण जच्चा बच्चा की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल संचालक शव को बाहर निकाल, क्लीनिक में ताला जड़ फरार हो गए। घटना दो दिन पूर्व की है।

अब पूरी घटना समझिए : कोरान सराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव निवासी राजेश कानू की पत्नी उषा देवी को बुधवार को प्रसव पीड़ा शुरू हुआ। इसके बाद उसके स्वजन इसकी जानकारी गांव की आशा जानकी को दिए। जानकी उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल ले जाने की बात कह उसे लेकर डुमरांव के एक निजी क्लीनिक में चली आई, जहां न किसी डॉक्टर को बोर्ड लगा था और न ही कोई डॉक्टर थे, लेकिन आशा की विश्वास पर स्वजन उसका प्रसव वही पर कराने लगे। मृतका के भसूर शशि कानू ने बताया कि बुधवार को अपराह्न करीब 2.30 बजे हमलोग उक्त अस्पताल में पहुंचे थे, जहां प्रसव के दौरान ही अचानक जच्चा-बच्चा की मौत हो गई, इसके बाद चिकित्सक तथा अन्य स्टाफ भाग खड़े हुए। हमलोगों ने तत्काल इसकी जानकारी डायल 112 पर पुलिस को दी। मौके पर डायल 112 की टीम पहुंची। पुलिस के कहने पर ही हमलोग जच्चा-बच्चा के शव को लेकर अंतिम संस्सकार के लिए चले गए। शशि ने बताया कि वह शनिवार को डुमरांव थाना पहुंच इसकी लिखित शिकायत देगा। इस संबंध में डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

धड़ल्ले से संचालित हो रहे है बगैर मानक के क्लीनिक : बता दें कि अनुमंडल क्षेत्र में बगैर रजिस्ट्रेशन कराए दवा दुकान और क्लीनिक का संचालन धड़ल्ले से हो रहा है। बुधवार की घटना के बाद ऐसे अवैध संस्थानों को बंद कराने और उन पर कार्रवाई करने की मांग उठने लगी है। झोला छाप डाक्टर के चक्कर में कई लोग मौत के मुंह में समा गए हैं। इतना ही नहीं इस तरह के क्लीनिक संचालक स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों से मिले होते हैं और उनको पैसे का लालच देकर मरीजों को अपने यहां लाने की के लिये कहते हैं। इस संबंध में जब पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. गौतम से बात की गई तो उन्होंने इसकी जानकारी से इंकार किया, लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसी कोई शिकायत मिलती है तो आशा पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उस क्लीनिक का भी पता लगाया जाएगा की रजिस्टर्ड है कि नहीं।

पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त के लिए एग्रीस्टैक रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

■ **6 से 9 जनवरी तक हर पंचायत में लगेगा चार दिवसीय ई-केवाईसी एवं रजिस्ट्रेशन कैम्प**

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। योजना की अगली किस्त प्राप्त करने के लिए अब किसानों को एग्रीस्टैक के तहत रजिस्ट्रेशन और ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। इसी को लेकर पूरे बिहार में प्रखंड स्तर पर पंचायतों में चार दिवसीय विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 6 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में कैम्प लगाकर किसानों का एग्रीस्टैक रजिस्ट्रेशन एवं ई-केवाईसी का कार्य किया जाएगा। इन कैम्पों में रजिस्ट्रेशन से वंचित किसानों का केवाईसी भी ऑन-द-स्पॉट कराया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए कृषि विभाग ने व्यापक तैयारी की है। सभी कृषि सलाहकार, कृषि समन्वयक, एटीएम (एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजर) और बीटीएम (ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर) को इस कार्य में लगाया गया है। अधिकारियों द्वारा निर्देश दिया गया है कि वे पंचायतों में घूम-घूमकर किसानों को कैम्प की जानकारी दें और अधिक से अधिक किसानों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

अनुमंडल कृषि पदाधिकारी वेद प्रकाश एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्रुति प्रिया ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की पहली किस्त किसानों को दी जा चुकी है, लेकिन अगली किस्त प्राप्त करने के लिए एग्रीस्टैक रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि डुमरांव प्रखंड में लगभग 12 हजार 500 किसान पहले से रजिस्टर्ड हैं, लेकिन सभी किसानों को नए सिस्टम के तहत दोबारा रजिस्ट्रेशन और ई-केवाईसी कराना जरूरी है।

किसानों को यह भी जानकारी दी जा रही है कि ई-केवाईसी के बाद संबंधित हल्का कर्मचारी एवं राजस्व कर्मी से संपर्क कर एफआर (फार्मर रजिस्ट्री) सत्यापन कराना भी आवश्यक है। बिना सत्यापन के योजना का लाभ मिलने में बाधा आ सकती है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने पंचायत में लगने वाले कैम्प में पहुंचकर रजिस्ट्रेशन और ई-केवाईसी अवश्य कराएं। अधिक जानकारी के लिए किसान प्रखंड कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। यह पहल किसानों को समय पर लाभ दिलाने और सरकारी योजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कृषि योजनाओं में लापरवाही नहीं चलेगी, डीएम का सख्त रुख

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में किसानों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शुक्रवार को समाहरणालय में जिला पदाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में कृषि टास्क फोर्स एवं कृषि विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की मंशा किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से लाभ पहुंचाने की है,

इसमें बाधा बनने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए जिला पदाधिकारी ने इसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रतिदिन शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित हो सके। साथ ही जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि शिविरों में अनुपस्थित रहने वाले राजस्व कर्मियों की सूची प्रतिदिन तैयार कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने दो टूक कहा कि लापरवाही करने वाले कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। कृषि टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं को जोड़ते हुए किसानों की आय वृद्धि के लिए एकीकृत कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि कृषि, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता सहित अन्य विभाग आपसी समन्वय से काम करें, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ किसानों तक पहुंचे। सभी विभागों को अगली बैठक में अपनी-अपनी कार्ययोजना के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

उर्वरक दुकानों की होगी सघन जांच

बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता और कालाबाजारी की आशंका को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर जिले की सभी उर्वरक दुकानों की जांच कराने का निर्देश दिया। डीएम ने साफ कहा कि जांच के दौरान यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता, अधिक मूल्य वसूली या अवैध भंडारण पाया गया तो संबंधित दुकानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

किसान हित सर्वोपरि

बैठक के अंत में डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें और जमीनी स्तर पर किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें। उन्होंने कहा कि कृषि ही जिले की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों के हितों की रक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

अमृत भारत की छाप : डुमरांव स्टेशन बनेगा आधुनिक यात्री हब, विकास को मिलेगी नई रफ्तार

- **बरसात और तकनीकी अड़चनों के बाद फिर तेज हुआ निर्माण कार्य, अगस्त 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य**

केटी न्यूज/डुमरांव

नए साल की शुरूआत डुमरांव के लिए विकास की नई उम्मीदें लेकर आई है। वर्षों से सुविधाओं की कमी झेल रहे डुमरांव रेलवे स्टेशन का स्वरूप अब पूरी तरह बदलने जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 17.1 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का पुनर्विकास कार्य दोबारा गति पकड़ चुका है। बरसात और तकनीकी कारणों से कुछ समय तक ठप पड़ा यह प्रोजेक्ट अब मौसम अनुकूल होते ही तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे का दावा है कि अगस्त 2026 तक स्टेशन पूरी तरह आधुनिक और सुविधायुक्त रूप में तैयार हो जाएगा।

बारिश की रुकावट के बाद फिर शुरू हुआ काम

बीते कुछ महीनों तक लगातार बारिश के कारण टिकट घर निर्माण स्थल पर पानी भर गया था, जिससे काम बाधित हो गया था। इसके साथ ही दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से पटना तक प्रस्तावित तीसरी और चौथी रेल लाइन के एलाइनमेंट को लेकर असमंजस बना हुआ था। एलाइनमेंट स्पष्ट न होने के कारण वेटिंग हॉल, टॉयलेट और कुछ अन्य ढांचागत निर्माण रोक दिए गए थे। अब एलाइनमेंट तय हो चुका है और जलनिकासी के बाद निर्माण कार्य फिर से चरणबद्ध तरीके से शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में टिकट घर निर्माण के लिए सरिया बिछाने और ढलाई का कार्य जोरों पर है। इसी भवन में भविष्य में आरपीएफ बैरक, सीसीटीवी कक्ष, एसी वेटिंग एरिया और अन्य प्रशासनिक कक्ष विकसित किए जाएंगे। निर्माण कार्य के चलते स्टेशन के दुर्गा मंदिर से नए स्टेशन होते हुए नया भोजपुर जाने वाले वाहनों के लिए अस्थायी डायवर्जन भी लागू किया गया है।

17.1 करोड़ से बदलेगा स्टेशन का चेहरा

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत डुमरांव स्टेशन को सिर्फ नया भवन ही नहीं, बल्कि एक आधुनिक यात्री हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। योजना में उच्च क्षमता वाली नई स्टेशन बिल्डिंग, आधुनिक टिकट काउंटर, सुव्यवस्थित वेटिंग एरिया और सुरक्षित प्रवेश-निकास द्वार शामिल हैं।स्टेशन परिसर में आधुनिक सकुर्लेटिंग एरिया बनाया जा रहा है, जिससे यात्रियों और वाहनों की आवाजाही सुचारू हो सके। प्लेटफॉर्मों को आपस में जोड़ने के लिए 6 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज तैयार किया जाएगा। इसके अलावा प्लेटफॉर्मों पर नया शेल्टर और लगभग 500 मीटर लंबी प्लेटफॉर्म सर्फेसिंग का कार्य भी प्रस्तावित है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अब तक 50 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है।

लिफ्ट, वेटिंग हॉल और आधुनिक टॉयलेट से बढ़ेगी सुविधा

यात्रियों की सुविधा को केंद्र में रखते हुए स्टेशन पर दो लिफ्ट लगाने की योजना है, जो बुजुर्गों, दिव्यांगों और महिलाओं के लिए बड़ी राहत साबित होंगी। आधुनिक वेटिंग हॉल के साथ 105.52 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में नया टॉयलेट ब्लॉक बनाया जा रहा है। इसके अलावा 150 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में दूसरा प्रवेश द्वार विकसित किया जा रहा है, जिससे भीड़ का दबाव कम होगा। सकुर्लेटिंग एरिया और दूसरे प्रवेश द्वार का कार्य तेजी से चल रहा है। रेलवे का उद्देश्य है कि स्टेशन परिसर न केवल सुविधाजनक, बल्कि सुरक्षित और आकर्षक भी बने।

फर्नीचर, पेंटिंग और सौंदर्यीकरण पर भी फोकस

स्टेशन के अंदरूनी और बाहरी स्वरूप को आधुनिक बनाने के लिए फर्नीचर और सौंदर्यीकरण कार्य भी चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे। नए टेबल, कुर्सी, बेंच, सोफा और अलमारियों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही स्टेशन भवन की पेंटिंग और बाहरी डिजाइन को भी नया रूप दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को बड़े शहरों के स्टेशनों जैसी अनुभूति हो।

राजस्व में उछाल से मिली योजना को मजबूती

डुमरांव स्टेशन पूर्व मध्य रेलवे के लिए लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाला स्टेशन रहा है। वर्ष 2016-17 में जहां यह राजस्व के मामले में 59वें स्थान पर था, वहीं 2023-24 में यह 18वें स्थान पर पहुंच गया। चालू वित्तीय वर्ष में स्टेशन ने लगभग 9.57 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। इसी निरंतर बढ़ते राजस्व और यात्री दबाव को देखते हुए स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया। स्थानीय यात्रियों और व्यापारियों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य में अब और देरी नहीं होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तेज गति से कार्य पूरा किया जाएगा, ताकि डुमरांव स्टेशन जल्द ही आधुनिक, सुरक्षित और सुविधायुक्त रूप में यात्रियों की सेवा कर सके।

साइबर क्राइम से खाते से उड़ाए 94 हजार रुपए, पीड़ित ने साइबर थाने में दी शिकायत

नावानगर । सोनवर्षा थाना क्षेत्र के मणियां गांव में साइबर क्राइम का एक गंभीर मामला सामने आया है। मणियां निवासी मंतोष कुमार के एक्सिस बैंक खाते से अज्ञात साइबर अपराधियों ने यूपीआई के माध्यम से 94,669 रुपए राशि की अनधिकृत निकासी कर ली। इस संबंध में पीड़ित ने साइबर क्राइम सेल तथा सोनवर्षा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित मंतोष कुमार ने बताया कि उनका एक्सिस बैंक की मणियां शाखा में बचत खाता है। 19 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल पर बैंक की ओर से एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें यूपीआई के माध्यम से 94,669 रुपए की राशि कटने की सूचना दी गई। बैंक स्टेटमेंट की जांच करने पर पता चला कि यह राशि यूटीआई/पी2एम ट्रांजैक्शन के जरिए रासबिहारी नन्दे अनद नामक खाते में स्थानांतरित कर दी गई है। मंतोष कुमार का कहना है कि उन्होंने इस प्रकार का कोई भी लेन-देन न तो स्वयं किया है और न ही किसी अन्य को इसकी अनुमति दी थी। खाते से अचानक इतनी बड़ी राशि निकल जाने से वे स्तब्ध रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल एक्सिस बैंक से संपर्क कर आगे के सभी लेन-देन पर रोक लगाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही पीड़ित ने टोल फ्री नंबर 1930 पर कॉल कर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई, जिसकी संदर्भ संख्या 30512250090053 बताई गई है। पीड़ित ने बताया कि उक्त राशि उन्होंने किसी से उधार लेकर अपने खाते में रखी थी, जिससे अब उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस से इस साइबर क्राइम की गहन जांच कर दोषियों की पहचान करने, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा खाते से निकाली गई पूरी राशि वापस दिलाने की मांग की है। इस घटना के बाद क्षेत्र में साइबर अपराध को लेकर लोगों में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में सोनवर्षा थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि साईबर क्राइम संबंधित आवेदन प्राप्त हुई है। जांच की जा रही है।

मानवता शर्मशार : अस्पताल के शौचालय में मिला नवजात, समाज और व्यवस्था दोनों कटघरे में

- **आपातकालीन वार्ड के कमोड में पड़ा था नवजात, रोने की आवाज सुन सफाईकर्मी की पड़ी नजर**

केटी न्यूज/चौगाई

शुक्रवार की अहले सुबह चौगाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के आपातकालीन वार्ड में वह दृश्य सामने आया, जिसने इंसानियत की आत्मा को झकझोर कर रख दिया। अस्पताल जैसे सुरक्षित माने जाने वाले स्थान में, शौचालय के कमोड से एक नवजात की करुण रुलाई गूंज रही थी। यह कोई आम आवाज नहीं थी, बल्कि उस मासूम की पुकार थी, जिसे जन्म के साथ ही मौत के हवाले कर दिया गया था।

सुबह करीब चार बजे जब महिला सफाईकर्मी नियमित सफाई के लिए आपातकालीन विभाग पहुंची, तो शौचालय से आती बच्चे के रोने की आवाज सुनकर वह ठिठक गई। डर और आशंका के

बीच जैसे ही उसने दरवाजा खोला, सामने का दृश्य रूह कंपा देने वाला था। एक नवजात शिशु का सिर कमोड के भीतर फंसा था और नन्हा सा शरीर बाहर की ओर लटका हुआ था। यह दृश्य इतना भयावह था कि पल भर के लिए समय जैसे थम गया।

घबराई सफाईकर्मी ने तुरंत इसकी सूचना पीएचसी प्रभारी मितेंद्र कुमार को दी। देखते ही देखते अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टर, नर्स और स्टाफ मौके पर पहुंचे, चाइल्ड हेल्पलाइन को बुलाया गया। काफी प्रयासों के बाद उस नन्ही जान को कमोड से सुरक्षित बाहर निकाला गया। जांच में पाया गया कि बच्चे का वजन करीब 2.550 किलोग्राम है। शरीर पर हल्की चोटों के निशान जरूर थे, लेकिन चमत्कार यह कि उसकी सांसें अब भी चल रही थीं।

प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर देखभाल के लिए नवजात को बक्सर स्थित स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है और वह चिकित्सकीय निगरानी में है। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद अस्पताल में मौजूद हर आंख नम थी, क्योंकि यह सिर्फ एक मेडिकल केस नहीं, बल्कि संवेदनाओं की परीक्षा थी।

यह घटना कई सवाल छोड़ जाती है। आखिर कौन-सी मजबूरी, कौन-सा डर या सामाजिक दबाव था, जिसने एक मां को अपनी कोख से जन्मे बच्चे को इस तरह छोड़ने पर मजबूर किया, क्या यह केवल एक मां की असहायता है या हमारी सामाजिक व्यवस्था की सामूहिक विफलता।

अब प्रशासनिक जांच शुरू हो चुकी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और दोषियों की पहचान की कोशिश जारी है। लेकिन सच यह है कि उस कमोड से निकली यह नन्ही जिंदगी आज पूरे समाज से जवाब मांग रही है, क्या हम सच में इतने असंवेदनशील हो चुके हैं कि एक नवजात को भी सुरक्षित भविष्य नहीं दे पा रहे।

एक नजर

किसान रजिस्ट्री से किसानों को मिलेगा योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ

बक्सर। बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा लागू की गई किसान रजिस्ट्री (फार्मर रजिस्ट्री) योजना किसानों के हित में एक अहम कदम साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ अब अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिल सकेगा। जिलाधिकारी साहिला ने कहा कि किसान रजिस्ट्री से प्रत्येक किसान की एक विशिष्ट किसान पहचान संख्या (किसान आईडी) तैयार की जा रही है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि किसान रजिस्ट्री के तहत किसानों का एक राज्यस्तरीय एकीकृत ऑनलाइन डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इसमें किसान की भूमि से संबंधित विवरण, आधार संख्या तथा अन्य आवश्यक जानकारियां डिजिटल रूप में संकलित की जा रही हैं। इससे कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचाना संभव होगा।

उन्होंने बताया कि किसान रजिस्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक पहचान सत्यापन (ई-केवाईसी) पूरा करना अब अत्यंत आवश्यक हो गया है। विशेषकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि समेत अन्य कई सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त करने के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य है। जिले के किसान अपने-अपने क्षेत्र के किसान सलाहकार, किसान समन्वयक अथवा हल्का कर्मचारी से संपर्क कर किसान रजिस्ट्री करवा सकते हैं। इस प्रक्रिया में किसान सलाहकार द्वारा ई-केवाईसी पूरी की जाएगी, जबकि हल्का कर्मचारी द्वारा भूमि दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से किसान की किसान आईडी जारी कर दी जाएगी। इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, भूमि से संबंधित वैध दस्तावेज तथा मोबाइल नंबर जरूरी है।

किसान रजिस्ट्री से मिलने वाले प्रमुख लाभ

किसान रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों को कई महत्वपूर्ण लाभ मिलेंगे। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया आसान होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल बिक्री में सुविधा मिलेगी। फसल क्षति की स्थिति में मुआवजा प्राप्त करना सरल होगा। इसके साथ ही प्रत्येक किसान की एक डिजिटल पहचान स्थापित होगी, जिससे योजनाओं का लाभ समय पर और बिना बाधा के मिल सकेगा।

समय पर पंजीकरण कराने की अपील

जिलाधिकारी ने जिले के सभी किसान भाइयों और बहनों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी किसान रजिस्ट्री अवश्य पूर्ण करा लें। इससे उन्हें कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ सुचारु और निर्बाध रूप से मिलता रहेगा तथा वे डिजिटल व्यवस्था से सीधे जुड़ सकेंगे।

किशोरी से छेड़खानी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नावानगर। बासुदेवा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में किशोरी से छेड़खानी के मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई सामने आई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। जानकारी के अनुसार, रामपुर गांव की एक किशोरी ने अपने ही पड़ोसी ब्रजेश कुमार पर लगातार परेशान करने और छेड़खानी करने का आरोप लगाया था। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए बासुदेवा थाना पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत दर्ज कराई। आवेदन मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच शुरू की। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

फर्जी 112 चालक बन पान दुकानदार से ठगी, जांच में जुटी पुलिस

केसठ। प्रखंड के बैजनाथपुर डेरा भट्ठा पुल के समीप गुरूवार को ठगी की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां दो युवकों ने खुद को बासुदेवा थाना से जुड़ी आपातकालीन सेवा डायल 112 का चालक व पुलिस स्टाफ बताकर पान दुकानदार से ठगी कर ली और फरार हो गए। पीड़ित दुकानदार बैजनाथपुर डेरा गांव निवासी टुनटुन सिंह भट्ठा पुल के पास पान की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि दो युवक बिना नंबर प्लेट की अपाचे बाइक से दुकान पर पहुंचे और खुद को 112 सेवा से जुड़ा चालक बताते हुए कहा कि बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया है और उन्हें तत्काल पेट्रोल की जरूरत है। पुलिसकर्मी जैसी भाषा और हाव-भाव के कारण दुकानदार को उनकी बातों पर भरोसा हो गया। इसी दौरान ठगों ने दुकानदार से दो लीटर पेट्रोल, 500 रुपये नकद और दो डिब्बा टॉफी ले ली। सामान लेने के बाद दोनों युवक मौके से फरार हो गए। कुछ देर बाद स्थानीय लोगों ने दुकानदार को सतर्क किया, तब उसे ठगी का एहसास हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित ने बासुदेवा थाना को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में पूछताछ शुरू की। बासुदेवा थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और ठगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

एमवीयू 1962 की तत्परता ने बचाई गर्भवती गाय की जान

- **पांच दिन के इलाज के बाद खुद खड़ी हुई गाय, स्वस्थ बछड़े को दिया जन्म**

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड के सरकारी मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा एमवीयू 1962 की तत्परता और समर्पण ने एक गर्भवती गाय की जान बचाकर पशुपालकों के बीच विश्वास को और मजबूत कर दिया है। यह घटना न केवल पशु चिकित्सा सेवाओं की उपयोगिता को दशार्ती है, बल्कि समय पर सही उपचार के महत्व को भी रेखांकित करती है।

जानकारी के अनुसार, नियाजीपुर निवासी पशुपालक रोहित पाठक की गर्भवती गाय, जो लगभग दस दिनों के भीतर बछड़ा देने वाली थी, परिवहन के दौरान अचानक फिसलकर गिर गई। हादसे के बाद गाय उठ नहीं पा रही थी। लगातार दो से तीन दिनों तक स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। दिन बीतने के साथ गाय की स्थिति और गंभीर होती चली गई, जिससे उसकी जान पर संकट गहराने लगा।

अंततः निराश पशुपालक ने एमवीयू 1962 पर संपर्क किया। सूचना मिलते ही एमवीयू 1962 सिमरी (बक्सर) की टीम बिना देर किए मौके पर पहुंची। टीम का नेतृत्व पशु चिकित्सक डॉ. पीयूष यादव ने किया। उनके साथ पैरावेट दिनेश कुमार सिंह और पायलट राहुल रंजन सिंह भी मौजूद रहे।

टीम ने गाय की स्थिति का गहन परीक्षण कर वैज्ञानिक पद्धति से इलाज शुरू किया। लगातार पांच दिनों तक नियमित मॉनिटरिंग, दवाइयों, सहायक देखभाल और उचित प्रबंधन के माध्यम से इलाज किया गया। कठिन परिश्रम और समर्पित सेवा का परिणाम यह रहा कि पांचवें दिन गाय स्वयं खड़ी हो गई। यह दृश्य देखकर पशुपालक ही नहीं, बल्कि पूरे गांव के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

इलाज के मात्र दो दिन बाद ही गाय ने स्वस्थ बछड़े को जन्म दिया। वर्तमान में गाय और बछड़ा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। भावुक पशुपालक रोहित पाठक ने कहा कि यदि एमवीयू 1962 की सेवा समय पर नहीं मिलती, तो गाय को बचा पाना बेहद मुश्किल होता। उन्होंने पूरी टीम के प्रति आभार जताते हुए इसे जीवनदायिनी सेवा बताया।

इस पूरे अभियान में जिला समन्वयक अग्निवेश कुमार की भूमिका भी उल्लेखनीय रही। उनके प्रभावी समन्वय, मार्गदर्शन और त्वरित व्यवस्था के कारण पशु चिकित्सा टीम समय पर और प्रभावी ढंग से सेवा दे सकी।

यह घटना सरकारी मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा (1962) की उपयोगिता और प्रभावशीलता का जीवंत उदाहरण है, जिसने समय पर हस्तक्षेप कर न केवल एक गर्भवती गाय की जान बचाई, बल्कि एक स्वस्थ बछड़े के जन्म के साथ पशुपालक के चेहरे पर मुस्कान भी लौटा दी।

पटना रेफर हुई गोलीबारी की शिकार महिला आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के निरंजनपुर गांव में गुरूवार की शाम गोली लगने से जख्मी हुई पुष्पा देवी पति सुनील पासवान को सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। डाक्टरों के अनुसार गोली उसके बांह में फंसी है, जिसे निकालने के लिए उसे हायर सेंटर भेजा गया है। वहीं, इस मामले में दूसरे दिन भी एफआईआर दर्ज नहीं हो सका है। पुलिस टीम जख्मी महिला का बयान दर्ज करने कोरानसराय से पटना के लिए रवाना हो चुकी है। बयान दर्ज करने के बाद ही इस मामले में एफआईआर दर्ज किया जाएगा। दूसरी तरफ पुलिस ने इस घटना को

> निरंजनपुर की घटना को पुलिस ने काफी गंभीरता से लिया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस कई बिंदुओं पर मामले की जांच कर रही है। जख्मी महिला का बयान दर्ज कराने के लिए एक पुलिस टीम को पटना भेजा गया है।
>
> **पोलस्त कुमार, एसडीपीओ, डुमरांव**

चुनौती के रूप में लिया है। पूरी रात पुलिस ने आरोपित अरूण पासवान की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, बावजूद पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी है। वहीं, गांव में इस घटना को ले कई तरह की चचाएं हो रही है। जिससे यह बात सामने आ रही है कि मामला सिर्फ टोटी विवाद का नहीं है। हालांकि, जबतक जख्मी महिला पुलिस के समक्ष बयान नहीं देती तथा एफआईआर दर्ज नहीं हो जाता, तबतक इस मामले में कुछ कहा नहीं जा सकता है। बता दें कि गुरूवार की शाम टोटी के विवाद में पुष्पा को उसके चचेरे भसूर ने गोली मार जख्मी कर दिया था। घटना की जानकारी मिलते ही कोरानसराय पुलिस तथा डुमरांव एसडीपीओ पोलत्स कुमार रात में ही घटना स्थल पर पहुंचे तथा आरोपित को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू करवाई, लेकिन पुलिस के पहुंचने के पहले ही आरोपित भाग निकला था।

मॉर्डन स्कूल के 19वें स्थापना दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुत की रंगारंग कार्यक्रम

■ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को संवारना ही विद्यालय का मुख्य लक्ष्य : संस्थापक

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र के नावाडीह में स्थित मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के 19वें स्थापना दिवस सह वार्षिक उत्सव को विद्यालय परिवार ने धूमधाम से मनाया।कार्यक्रम का शुभारंभ रसूलपुर पंचायत मुखिया अनुराधा देवी ने फीता काट किया। अवसर पर संस्थापक वीरेंद्र कुमार पटेल, निदेशक आजाद रजा, प्रधानाध्यापिका गीता देवी सहित जनप्रतिनिधि पूर्व प्रखंड प्रमुख दिव्या भारती,पूर्व बीडीसी बबन सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर बच्चों के रंगारंग कलाकृति का उद्घाटन किया। विद्यालय के स्थापना दिवस नन्हे कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति कर लोगों का मनमोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज स्वागत और सरस्वती वंदना गीत के साथ किया। इस विशेष अवसर पर पूरे स्कूल परिसर को फूलों, गुब्बारों सहित आधुनिक सजावट से सजाया गया था। जबकि कार्यक्रम उत्सव में विभिन्न वर्ग के छात्र व छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विभिन्न तरह की अपनी कलाकृति प्रस्तुत की। जिनके मनमोहक दृश्य को देख उपस्थित सैकड़ों लोगों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में छात्राओं के नृत्यों ने समां बांध दिया। जहां रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे बच्चों की ऊर्जा और तालमेल देखने लायक था। वही देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत 'देशभक्ति गीतों' के समूह गान ने सभी की आंखों में गर्व की चमक भर दी। मौके पर विद्यालय संस्थापक ने सभा संबोधन में 31दिसम्बर 2006 को स्थापित विद्यालय के उपलब्धियों पर प्रकाश डालते कहा कि बच्चों के कठिन शिक्षण कार्य से आज विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचे शिखर पर जा रहा हैं। जिसे संवारने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों का स्थानीय योगदान है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि विद्यालय के संकल्पों को दोहराने के साथ बच्चों की रचनात्मकता और अनुशासन की एक सुंदर मिसाल बनकर यादों में बस जाता है। संस्थापक ने बताया कि आज बच्चें सोशल मीडिया, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम के गिरफ्त में आ रहे हैं। इसे लेकर सभी माता-पिता को अपने बच्चों को 14 वर्ष के उम्र मोबाइल से दूर रखने का हरसंभव प्रयास करें। जबकि विद्यालय निदेशक आजाद राजा ने बताया कि विद्यालय में आधुनिक सुविधाओं के साथ सीसीटीवी के निगरानी में पढ़ाई के साथ स्मार्ट क्लास तहत 1 से 8 वर्ग के बच्चों को फ्री कंप्यूटर शिक्षा भी दी जाती है। आयोजित कार्यक्रम के अवसर विद्यालय के बच्चों को पुरस्कृत कर मुख्य अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। मौके पर तोराब नियाजी,सरोज,पुलिस रविंद्र कुमार, अजीत कुमार, डॉ. सुदेश्वर शर्मा, ललन कुमार, पत्रकार उदय तिवारी, प्रेम लाला, मितेंद्र तिवारी, आदित्य गुप्ता, मुर्तुजा अंसारी धर्मेंद्र यादव, मुस्तफा हुसैन, सत्येंद्र सिंह,कलीम अंसारी, पिंटू अंसारी,मुख्तार अंसारी, शमीम अंसारी, आजाद राजा, प्रधानाध्यापक गीता देवी, संस्थापक वीरेंद्र कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

फार्मर रजिस्ट्री में सुस्ती पर सख्त हुआ राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, सचिव ने जारी किए निर्देश

एजेंसी/पटना

एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विभाग के सचिव गोपाल मीणा ने सभी अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारियों को जमाबंदी के बकेट क्लेम एवं सत्यापन का कार्य मिशन मोड में करने का निर्देश दिया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री राज्य सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण और प्राथमिकता वाली योजना है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा और भविष्य में सभी कृषि योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित हो सकेगा। जमाबंदी के बकेट क्लेम एवं सत्यापन में अपेक्षित प्रगति नहीं होना गंभीर विषय है। इसे किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी इस कार्य को मिशन मोड में लेते हुए प्रतिदिन लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव स्तर से दो चरणों में होने वाली समीक्षा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य सरकार इस कार्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। जहां कहीं भी लापरवाही या शिथिलता पाई जाएगी, वहां जिम्मेदारी तय की जाएगी। हमारा उद्देश्य है कि फार्मर रजिस्ट्री में शत-प्रतिशत प्रगति हो, ताकि राज्यभर के किसानों की डिजिटल पहचान, योजनाओं का सीधा लाभ और भविष्य में किसी भी प्रकार की परेशानी से मुक्ति मिल सके। सचिव निर्देश के अनुसार, मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में 3 जनवरी 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इस समीक्षा में सभी जिलों के समाहर्ता, कृषि विभाग एवं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि इस कार्य की निगरानी केंद्र सरकार के स्तर से भी की जा रही है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, जहां कृषि विभाग द्वारा सत्यापित ई केवाईसी की प्रगति लगभग 31 प्रतिशत है। वहीं राजस्व विभाग द्वारा जमाबंदी के बकेट क्लेम एवं सत्यापन की प्रगति मात्र 4.8 प्रतिशत है, जो अत्यंत कम मानी जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। फार्मर रजिस्ट्री में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव द्वारा दो चरणों में समीक्षा प्रस्तावित की गई है। प्रथम चरण की समीक्षा 6 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक तथा द्वितीय चरण की समीक्षा 18 जनवरी से 21 जनवरी 2026 तक की जाएगी। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि सभी अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी ऑनलाइन पोर्टल पर जमाबंदी के बकेट क्लेम एवं सत्यापन का कार्य प्रतिदिन अनिवार्य रूप से करेंगे। साथ ही, कार्य प्रगति का दैनिक अनुश्रवण अंचल अधिकारी एवं अपर समाहर्ता स्तर पर किया जाएगा, जबकि मुख्यालय स्तर पर भी इसकी प्रतिदिन समीक्षा होगी। सचिव गोपाल मीणा ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश देते हुए कहा है कि फार्मर रजिस्ट्री की सफलता राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। इस संबंध में जिलावार एवं अंचलवार अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन, प्रशिक्षण वीडियो तथा यूजर मैनुअल भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि कार्य में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत बाधा न रहे।

मानव जीवन में पांच दुर्गुण ही बन जाता है विनाश का कारण : जीयर स्वामी

केटी न्यूज/रोहतास

सूर्यपूरा प्रखंड के अगरेड़ गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि पांच दुर्गुण मानवीय जीवन के विपत्ति और विनाश का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बीमारी है जिससे व्यक्ति का जीवन बर्बाद हो जाता है। नशा केवल शराब या अन्य प्रकार की चीजों का सेवन करना ही नहीं होता बल्कि किसी भी प्रकार की नशा मानवीय जीवन के लिए हानिकारक है। जैसे धन का लगातार उपभोग करने का नशा भी एक बहुत बड़ी नशा है। वही आगे दूसरा दुर्गुण हिंसा के बारे में बताते हुए कहा कि हिंसा एक बहुत बड़ा दुर्गुण है। जिससे पूरा जीवन व्यक्ति का तनाव मानसिक चेतन में अस्थिरता से जीवन को बर्बाद कर देती है। जुआ खेलना एक ऐसा दुर्गुण है जिससे लोग अपना पूरा धन संपत्ति को जुआ में बर्बाद कर देते हैं। जुआ भी एक प्रकार का नशा ही है। जिससे व्यक्ति अपने जीवन को बर्बाद कर लेता है। कुछ लोग कहते हैं कि खाली समय में टाइम पास करने के लिए खेलते हैं। लेकिन जुआ कलयुग में व्यक्ति के सर पर सवार होने वाला एक सबसे बड़ा निवास स्थान है। जिससे बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है। चौथा दुर्गुण वेश्यावृत्ति है। विवाह शादी के बाद भी बहुत लोग अपने पत्नी को छोड़कर के और अमर्यादित तरीके से अपने जीवन को जीने लगते हैं। वेश्यावृत्ति भी व्यक्ति के विनाश का एक बड़ा कारण है। जिससे केवल एक पीढ़ी ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी भी बर्बाद होती है। पांचवा दुर्गुण कोर्ट कचहरी के झंझट में पड़ना है। बहुत ऐसे लोग हैं जो जानबूझकर के कोर्ट कचहरी में दूसरों को परेशान करने के लिए भी चले जाते हैं। आप यदि अपने सही कामों के लिए कोर्ट कचहरी जाते हैं तब तो ठीक है लेकिन जोर जबरदस्ती दूसरे का जमीन, मकान,धन, संपत्ति कब्जा करके और कोर्ट कचहरी में जाकर के दूसरों को परेशान करते हैं यह भी एक व्यक्ति के विनाश का 5वां बड़ा कारण है।

हजरत दाता कालन शाह के मजार पर विधायक ने की चादरपोशी

केटी न्यूज/नवादा

जिला क्षेत्र के रजौली स्थित खानकाह तकिया शरीफ में गुरुवार को सालाना उर्स का आयोजन किया गया। जो 11 रज्जब हजरत दाता कालन शाह के मजार पर रजौली ही नहीं बल्कि नवादा जिले के साथ-साथ राज्य के कई क्षेत्रों से आए सैकड़ों अकीदतमंदों ने हजरत दाता कालान शाह के मजार पर चादरपोशी की।वही खानकाह तकिया शरीफ पहुंचकर जनप्रतिनिधि सहित समाजसेवी ने मन्नतें मांगी।चादरपोशी कर हजारों अकीदतमंदों ने मन्नतें व दुआ मांगी। लोगों का कहना है कि हजरत दाता कालन शाह का जब रजौली में आगमन हुआ था,उस समय रजौली पूरा जंगल था। उन्होंने ईश्वर

की घोर तपस्या की और ईश्वर के मित्र बना गए।यहां रहकर उन्होंने अपने मिशन व मानवता को बढ़ावा दिया और यही उनका देहांत भी हो गया। उनकी याद में ही हरेक साल बड़े ही धूमधाम से सालाना उर्स मनाया जाता है। खानकाह तकिया शरीफ में सभी धर्म व जाति के लोग चादरपोशी कर अपनी मुरादे पाते हैं।चादरपोशी करने वाले कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद ताहिर खान ने बताया कि यहां जो भी मन्नतें मांगी जाती है,वह पूरा हो जाती है। जिसके कारण लोग हर साल यहां आकर चादर चढ़ाते हैं और अपनी मन्नतें मांगते हैं। मौके पर खानकाह तकिया वक्फ कमेटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद जावेद अंसारी, रजौली विधायक विमल राजवंशी , रजौली नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद चंद्रवंशी,रजौली नगर पंचायत वार्ड पार्षद दस के सदस्य संतोष वर्मा, कमेटी के सचिव अब्बू सालेह,तसलीम खान, टिंकू खान,हनान खान,सफीर उद्दीन, शाहनूर आलम, मोहम्मद नसीम,सनाउर्र रहमान समेत प्रबंधन कमेटी के कई सदस्य उपस्थित थे।

एक नजर

शराब रहित वाहन के साथ दो अवैध धंधेबाज गिरफ्तार

राजपुर । बघैला थाना क्षेत्र के रोतवां गांव में शराब से लैस एक वाहन के साथ तस्कर को पुलिस ने दबोचा। गिरफ्तार शराब तस्कर रोतवां गांव निवासी संतोष कुमार सिंह का बेटा हिमांशु कुमार हैं। जो शराब के साथ मारुति गाड़ी में 40 लीटर देसी महुआ शराब के जा रहा था, इसी क्रम में स्थानीय पुलिस को गुप्त सूचना मिलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस द्वारा जांच अभियान के क्रम में बघैला नहर के समीप से मारुति कार में 40 लीटर महुआ शराब के साथ धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया। मामले में मारूती कार धारक को परिवहन विभाग को जुमार्ना के लिए लिखित रूप शिकायत किया गया।उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के खैरही गांव से एक हीरो स्पलेंडर प्रो मोटरसाइकिल की डिक्की में पांच लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया गया।धंधेबाज पुलिस को देखकर बाईक छोड़कर मौके से भागने में कामयाब हो गया।

जनता दरबार में डीएम ने लंबित मामलों से जुड़े अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश

सासाराम। शुक्रवार को डीएम उदिता सिंह ने समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभाकक्ष में जिला जनता दरबार में लोगों की सुनी समस्या। जिसमें अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व प्रशाखा,निदेशक डीआरडीए, जिला विकास पदाधिकारी,विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी,सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सहित भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी अंचलाधिकारी एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया। उक्त जनता दरबार में कुल 92 व्यक्ति उपस्थित हुए। जिन्हें विषयवार व विभागवार यथा राजस्व, विकास, विद्युत, लोक स्वास्थ्य एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं से जुड़ी शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला पदाधिकारी सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों यथा अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी एवं अन्य सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुए उनके समस्याओं को सुना गया। साथ ही उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया।

सड़क सुरक्षा माह को लेकर डीएम ने ध्वनि रथ को हरी झंडी दिखा किया रवाना

सासाराम । सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को जिला पदाधिकारी द्वारा आमजनों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर से ध्वनि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करेगा। इस संबंध में जिला पदाधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जा रहा है। लोगों के बीच जागरूकता के उद्देश्य से इसी कड़ी में अलग-अलग तिथि को जिले में विभिन्न तरह कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इस बीच ध्वनि रथ के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग एवं सावधानियों की जानकारी दी जाएगी ।

खलिहान में रखे किसान की आठ बीघा की पुआल जलकर राख

काराकाट । थाना क्षेत्र के किसुननाथडीह गांव निवासी किसान भोला महतो ,प्रमोद महतो का खलिहान में रखे 8 बीघा पुआल जल कर हुआ राख। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक खलिहान में छोटा छोटा बच्चा खेल रहा था उसी में आग लग गई आग की लाफ देख ग्रामीण हाला गुला किए। शोर सुनकर ग्रामीण खलिहान में इकट्ठा हुए और निजी साधनों से आज पर काबू पाने के लिए ग्रामीणों के सहयोग से मोटर पंप चला करके आग बुझाने चाहे आग की लपेट इतनी तेज थी कि लगभग 8 बीघा का पुआल गला जलकर राख हो गया ग्रामीणों ने बताया कि फायर ब्रिगेड को फोन किया गया लेकिन फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंचने के कारण8 बीघा का पुआल का गला जल गया किसान के परिवार में हाहाकार मच गया साल भर का खेती एवं पशु का आहार जल गया रोते बिलखते परिवार ने बताया कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड का गाड़ी आ जाता है तो मेरा फसल बच जाता है। आपको बता दे की यहां के किसान खेती पर निर्भर रहते हैं साल भर में एक बार धान की फसल होती है जिससे पशु का खाने का व्यवस्था करना पड़ता है यहां का किसान खेती पर ही निर्भर रहता है लेकिन भगवान की कृपा से जल करके राख हो गया । किसान का परिवार अब पशु को क्या खिलाएगा इसका संकट आ गया है।

अज्ञात वाहन ने रात के अंधेरे में किशोर को कुचला, मौके पर मौत

काराकाट। बिक्रमगंज-डिहरी पथ के काराकाट थाना क्षेत्र के बिरैनी मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने एक किशोर को कुचल दिया। जिससे घटना स्थल पर हीं उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध मे बताया जाता है कि काराकाट थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी अशोक कुमार शर्मा उर्फ रिंचू शर्मा के 16 वर्षीय पुत्र पहलाद शर्मा उर्फ मनी कुमार को गुरुवार की रात्रि में बिक्रमगंज-डिहरी पथ पर बिरैनी मोड के पास अज्ञात गाड़ी कुचल दिया। जिस दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पहलाद शर्मा इंटर का छात्र था। अशोक शर्मा उर्फ रिंचू शर्मा लकड़ी के मिस्त्री है, जो घर पर ही कारीगरी कर परिवार का भरण पोषण किया करते है। गरीब परिवार में जन्मे अशोक शर्मा दो लड़का एवं एक लड़की को पढ़ने के लिए जी जान लगाकर मेहनत करते है। मृतक सबसे छोटा बेटा था। सबसे बड़ा 20 वर्षीय लड़का पवन कुमार शर्मा बीएससी फाइनल का छात्र है। एक 18 वर्षीय बेटी पार्वती कुमारी बीएससी पार्ट वन की छात्रा है। मृतक मणि कुमार की माता सविता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। रोती बिलखती हुई मां बार-बार बोल रही थी कि बड़े ही होनहार लड़का था। जिस पर पूरे परिवार का भरोसा था कि पढ़ लिख कर बहुत आगे कुछ करेगा, लेकिन भगवान का जो आदेश हुआ कि आज वह मेरा बच्चा नहीं रहा है।

डायल-112 और साइबर भवन में हाईटेक बनाने की तैयारी में सरकार

❍ नीतीश सरकार ने दो पुलिस बिल्डिंग बनाने का किया एलान

एजेंसी/पटना

नए साल पर नीतीश सरकार में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य में दो अत्याधुनिक पुलिस भवनों के निर्माण की घोषणा की गई है। इनमें एक डायल-112 (इमर्जेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम) और दूसरा साइबर अपराध अनुसंधान इकाई का भवन होगा। दोनों भवनों को अत्याधुनिक तकनीक और हाई सिक्योरिटी सिस्टम से लैस किया जाएगा। डायल-112 के लिए पटना के राजीव नगर इलाके में 27 कट्ठा जमीन चिन्हित की गई है, जबकि साइबर भवन के लिए मैंग्लस रोड क्षेत्र में 15 से 20 कट्ठा जमीन देखी गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी वर्ष दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।डायल-112 का सात मंजिला भवन करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। यह भवन पूरे राज्य का कंट्रोल यूनिट होगा। इसमें डायल-112 का कॉल सेंटर, संचालन प्रणाली और राज्य का डाटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा ऊपरी मंजिलों पर राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) का मुख्यालय भी होगा। यहां पुलिस से जुड़े सभी महत्वपूर्ण डाटा, जांच रिपोर्ट और दस्तावेज सुरक्षित रूप से संग्रहित किए जाएंगे। राज्य में बढ़ते साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक अलग साइबर अनुसंधान इकाई का गठन किया गया है। इसके लिए पांच मंजिला विशेष साइबर भवन का निर्माण किया जाएगा। भवन के डिजाइन और मूलभूत ढांचे को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस भवन में साइबर हेल्पलाइन 1930 का कॉल सेंटर और कंट्रोल यूनिट होगा। यहां साइबर अपराध से जुड़े सभी वरीय अधिकारी, जांच अधिकारी और आईओ के बैठने की व्यवस्था रहेगी। भवन में अत्याधुनिक फॉरेंसिक लैब स्थापित की जाएगी, जिससे साइबर मामलों के अनुसंधान में तेजी आएगी। निचले तल पर राज्य स्तरीय साइबर थाना भी बनाया जाएगा, जहां साइबर फ्रॉड से जुड़ी सभी शिकायतें दर्ज कराई जा सकेंगी।बिहार पुलिस के एडीजी (आधुनिकीकरण व ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने बताया कि दोनों भवनों की कार्य-योजना तैयार कर ली गई है।

100 करोड़ की लागत से बनेगा सात मंजिला डायल-112 भवन

डायल-112 का सात मंजिला भवन करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। यह भवन पूरे राज्य का कंट्रोल यूनिट होगा। इसमें डायल-112 का कॉल सेंटर, संचालन प्रणाली और राज्य का डाटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा ऊपरी मंजिलों पर राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) का मुख्यालय भी होगा। यहां पुलिस से जुड़े सभी महत्वपूर्ण डाटा, जांच रिपोर्ट और दस्तावेज सुरक्षित रूप से संग्रहित किए जाएंगे।

डीएम ने जिलास्तरीय सीओ के साथ राजस्व मामलों पर की विस्तृत समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में सभी अंचल अधिकारियो के साथ राजस्व मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता यानी एडीएम तथा राजस्व प्रभारी जफर हसन भी उपस्थित रहे। इस दौरान डीएम ने अंचलवार लंबित राजस्व मामलों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अंचल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रकार के लंबित मामलों का निष्पादन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। साथ ही राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब से आम जनता को परेशानी होती है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जमाबंदी सुधार, भूमि विवाद से संबंधित मामलों सहित अन्य राजस्व कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। जबकि उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए बताया कि जिले अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल स्तर के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

नये साल में बिहारवासियों को बड़ी सौगात: राज्य की सड़कों पर उतरने वाली हैं सैकड़ों नई बसें

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन की सरकार ने नव वर्ष के मौके पर बिहारवासियों को एक बड़ी सौगात देने का काम किया है। जिससे यात्रियों को अब प्रदेश के किसी भी जिले में किसी समय आने-जाने के लिए कम कीमतों पर बस सेवा मौजूद रहेगी। इसी साल मार्च महीने से पूरे बिहार भर में 150-175 नयी बस सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। 1 जनवरी को राजगीर बस स्टैंड में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद बिहार सरकार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने राजगीर आने-जाने के लिए यात्रियों को सुगम, सुलभ, व सस्ती परिवहन सुविधा का वादा पूरे किया है। जिसमें राजगीर बस स्टैंड से बिहार राज्य पथ परिवहन निगम अंतर्गत एक सीएनजी बस का शुभारंभ किया है। इस दौरान उन्होंने परिवहन विभाग की तरफ से बिहार में रहने लोगों के लिए कनेक्टिविटी मजबूत करते हुए मार्च महीने से राज्यभर में 150-175 इलेक्ट्रिक व सीएनजी बसों के परिचालन का ऐलान किया है। ताकि राज्यवासियों को पर्यटनस्थल या हेडक्वाटर आने-जाने के साथ पर्यावरण को भी साफ व समृद्ध रखा जा सकें। इस मौके पर परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने सरकारी व निजी ई-वाहनों के चार्जिंग के लिए एक और बड़ी सुविधा देने की जानकारी दी। राजगीर में मौजूद कार्यक्रम में मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि अब इ-वाहनों के लिए परिवहन विभाग ने सरकारी बस स्टैंड पर चार्जिंग स्लॉट जल्द ही लगाया जायेगा। ताकि ई-वाहन मालिकों को सरकारी व सस्ती दर पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग की व्यवस्था की जा सकें। विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य भर में 900 से अधिक डीजल, इलेक्ट्रिक व सीएनजी बसों का परिचालन किया जा रहा है। साल 2005 से पहले बिहार में बसों की संख्या 250 के करीब भी लेकिन नीतीश शासन में बिहार में कहीं भी आने-जाने के लिए बसों की संख्या बढ़कर 900 से अधिक हो गयी है। वहीं परिवहन निगम के आरएम अरविंद सिंह ने बताया कि राजधानी से 250 से सरकारी बसों का परिचालन किया जा रहा है।

एक नजर

जमुई रेल हादसा मामले में एक्शन: आसनसोल डीआरएम का तबादला, विनीता श्रीवास्तव को मिली कमान

जमुइ। जमुई के सिमुलतला में हुए भीषण रेल हादसे के बाद रेलवे बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। हादसे की जवाबदेही और सुरक्षा मानकों में कथित ढिलाई को लेकर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल की मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनीता श्रीवास्तव का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। पूर्वी रेलवे द्वारा शुक्रवार, 02 जनवरी 2026 को जारी कार्यालय आदेश संख्या (जीभीआई/02/2026) के अनुसार, विनीता श्रीवास्तव (एनएफ-एचएजी/आईआरएसएमई) को पश्चिम मध्य रेलवे में स्थानांतरित किया गया है। उनके स्थान पर सुधीर कुमार शर्मा को आसनसोल मंडल का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। रेलवे ने परिचालन और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से सुधीर कुमार शर्मा (सीएमएम/वैगन/ईआर) को यह जिम्मेदारी दी है। आदेश के मुताबिक, नियमित डीआरएम की नियुक्ति होने तक सुधीर कुमार शर्मा ही आसनसोल मंडल रेल प्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। डीआरएम तबादले की पुष्टि सीपीआरओ कोलकाता शिवराम मांझी ने भी की है।

सुपौल में लूटकांड का खुलासा, कैश के साथ अपराधी गिरफ्तार

सुपौल। सुपौल के प्रतापगंज थाना क्षेत्र में 30 दिसंबर को घटित लूटकांड में पुलिस की तत्परता और त्वरित कार्रवाई से 63 हजार रुपये नगद सहित एक अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार अपराधी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए अपने अन्य साथियों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस को दी है. थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ वीरपुर सुरेंद्र कुमार ने इस सफलता और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 30 दिसंबर को दिन के लगभग ढाई बजे सुरजापुर पंचायत के वार्ड संख्या 15, परसाबिरबल निवासी अनिल कुमार रजक राघोपुर से मवेशी बेचकर अपने टेम्पू से घर लौट रहे थे। इसी दौरान प्रतापगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत तेकुना पंचायत के छींटहा चौक पर बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने उनका टेम्पू जबरन रोक लिया और उनसे एक लाख 30 हजार रुपये नगद लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी पुलिस अधीक्षक को मिलते ही मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी, घटना के उद्भेदन तथा लूटी गई राशि की बरामदगी के लिए थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया,एसडीपीओ ने बताया कि गठित टीम ने मानवीय एवं तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस कांड में संलिप्त अपराधी अररिया जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र के मधुरा गांव निवासी मोहम्मद मुन्ना उर्फ मुस्तकीम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

बिहार का भ्रष्ट दारोगा 25 हजार घूस लेते हुआ गिरफ्तार, निगरानी ब्यूरो की टीम ने थाना गेट पर ही रंगे हाथ धर लिया

नवादा। बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ निगरानी विभाग का एक्शन लगातार जारी है। ताजा मामला नवादा से आया है, जहां निगरानी विभाग की टीम ने अकबरपुर थाने के दारोगा को 25 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। दरअसल, नवादा के वारिसलीगंज निवासी विकास कुमार ने पटना स्थित निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अकबरपुर थाने में तैनात दारोगा प्रमोद कुमार पर आरोप लगाया था कि एक केस को मैनेज करने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे हैं। निगरानी की जांच में दारोगा पर लगे आरोप सही पाए गए। इसके बाद निगरानी के डीएसपी गौतम कृष्ण के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। इसके बाद निगरानी की टीम नवादा पहुंची और और घूसखोर दारोगा को रंगेहाथ गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही पीड़ित विकास कुमार दारोगा प्रमोद कुमार को 25 हजार रुपए रिश्वत दे रहे थे, तभी टीम ने धावा बोल दिया।

2024 के मुकाबले 2025 में 46,531 अधिक आवेदन प्राप्त हुए

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐतिहासिक कुम्हरार पार्क का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल कुम्हरार पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने कुम्हरार पार्क परिसर में संरक्षित किए गए मगध साम्राज्य काल से संबंधित स्तम्भ के अवशेषों को देखा। पार्क में बुलंदीबाग उत्खनन, कुम्हरार उत्खनन, मौर्यकालीन अस्सी स्तंभों युक्त विशाल कक्ष आदि से जुड़ी जानकारी से संबंधित लगे बोर्ड का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कृष्णदेव स्मृति सभागार स्थित पाटलीपुत्र दीर्घा में कुम्हरार के मौर्य वास्तुकला, भौतिक सांस्कृतिक आयाम, कुम्हरार उत्खनन संबंधी भग्नावशेष, पाटलीपुत्र की कला, संस्कृतियों का प्रभाव आदि से संबंधित लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कुम्हरार पार्क परिसर भारत सरकार के अधीन है, जिसका रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किया जा रहा है। पूर्व में यहां किए गए उत्खनन में कई प्राचीन एवं ऐतिहासिक वस्तुएं एवं निर्माण संबंधी अवशेष मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कुम्हरार पार्क परिसर को बेहतर ढंग से विकसित करने के लिये भारत सरकार को पत्र लिखने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कुम्हरार पार्क काफी ऐतिहासिक और प्राचीन स्थल है, जो मगध साम्राज्य से जुड़ा हुआ है। कुम्हरार पार्क काफी बड़ा है, काफी तादाद में लोग यहाँ घूमने आते हैं। इस पार्क परिसर के साथ-साथ प्रदर्शों का रखरखाव और बेहतर ढंग से किया जाना चाहिये। इस स्थल से जुड़ी जानकारी को जानने और समझने के लिए इतिहास के विद्यार्थी तथा इतिहास में रुचि रखनेवाले लोग देश के अलग-अलग हिस्सों के अलावा अन्य देशों से भी यहाँ आते हैं, जिसे ध्यान में रखते हुये इस पार्क परिसर का सौंदर्गीकरण कराया जाना आवश्यक है। गौरतलब है कि वर्ष 1912-15 एवं 1951-55 में इस पुरास्थल की खुदाई के दौरान 80 स्तम्भयुक्त मौर्यकालीन एक विशाल कक्ष (सभागार) प्रकाश में आया, जिसके भू-विन्यास में स्तम्भों की 10 पंक्ति पूरब से पश्चिम एवं 8 पंक्ति उत्तर से दक्षिण हैं, स्तम्भों एवं पंक्तियों के मध्य लगभग 15 फीट का अंतराल है। सभागार दक्षिणाभिमुख है। पुरास्थल के चारों ओर हुई विकास गतिविधियों एवं भू-जल स्तर में वृद्धि के कारण भग्नावशेष जलमग्न हो गये। फलस्वरूप स्तम्भों व पुरावशेषों के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया। तत्पश्चात पुरावशेषों की संरक्षा व उत्तरजीविता को दृष्टिगत रखते हुए उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा पर सन् 2005 में उक्त स्थल को मिट्टी एवं बालू से भर दिया गया। प्राचीन काल में आधुनिक पटना शहर को पाटलिपुत्र के नाम से जाना जाता था। 6ठी शताब्दी ईसा पूर्व जब भगवान बुद्ध ने इस स्थल का दौरा किया, तब पाटलिग्राम एक छोटा सा गांव था। उस समय मगध साम्राज्य के राजा अजातशत्रु पाटलिग्राम को वैशाली के लिच्छवी शासकों से बचाने के लिए उसके चारों ओर एक किले का निर्माण करा रहे थे। बाद में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य में राजा उदयन ने रणनीतिक एवं व्यापारिक कारणों से अपनी राजधानी को राजगृह (राजगीर) से पाटलिपुत्र में स्थानांतरित करने का फैसला किया। वह अजातशत्रु के उत्तराधिकारी और पुत्र थे। मेगास्थनीज जो चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में प्रसिद्ध यूनानी राजदूत थे, उन्होंने पाटलिपुत्र उसकी नगरपालिका और प्रशासन का विस्तृत विवरण दिया है। मेगास्थनीज की इंडिका नामक पुस्तक में इस नगर का उल्लेख पालिबोथरा के रूप में मिलता है। इस पुस्तक के अनुसार यह शहर गंगा नदी के किनारे लगभग 14 किलोमीटर पूर्व-पश्चिम और 3 किलोमीटर उत्तर-दक्षिण में फैला हुआ था। यह एक समानांतर चतुर्भुज आकार का था। शहर का परिमाप लगभग 36 किलोमीटर था। शहर को बड़े पैमाने पर लकड़ी के खंभों की चारदीवारों द्वारा सुरक्षित किया गया था, जिसके आगे एक चौड़ी और गहरी खाई थी, जो शहर की नाली के रूप में भी काम करती थी।

कटिहार में नए साल पर युवक की गोली मारकर हत्या पांच राउंड फायरिंग, पुलिस गैंगवार की आशंका

एजेंसी। कटिहार

कटिहार जिले में नए साल के जश्न के बीच एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कुरसेला थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। यह वारदात इतनी तेजी से अंजाम दी गई कि मौके पर मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बदमाश फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान सागर झा उर्फ मिठ्ठू झा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सागर झा अपनी बेटी के जन्मदिन के लिए केक लेने घर से निकला था। वह जैसे ही अपनी कार से उतरा, पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। बदमाशों ने करीब 5 राउंड फायरिंग की, जिसमें एक गोली सीधे उसके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल सागर झा को लोग अस्पताल ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चश्मदीदों के मुताबिक पूरी घटना महज 10 से 15 सेकंड में घटित हुई। अपराधी बेहद पेशेवर तरीके से आए, फायरिंग की और फिर फरार हो गए। वारदात के दौरान आसपास के दुकानदार और राहगीर सकते में आ गए। गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, जबकि कुछ देर बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई।सूचना मिलते ही कुरसेला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल को सील कर दिया। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस को मौके से कई खोखे बरामद हुए हैं, जिससे यह साफ है कि अपराधियों ने एक से अधिक हथियारों का इस्तेमाल किया या कई राउंड फायरिंग की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह घटना कुरसेला थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-77 के समीप कुरसेला चौक पर हुई है, जो काफी व्यस्त इलाका माना जाता है। इसके बावजूद अपराधियों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया, जिससे पुलिस की गश्ती व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में बताया है कि मृतक सागर झा उर्फ मिठ्ठू झा का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस इस हत्या को गैंगवार से जोड़कर भी देख रही है। आशंका जताई जा रही है कि आपसी रंजिश या वर्चस्व की लड़ाई में इस वारदात को अंजाम दिया गया हो।

पटना हाईकोर्ट में नया चीफ जस्टिस, जस्टिस संगम कुमार साहू होगें मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी। पटना

न्यायपालिका के गलियारों से बड़ी खबर सामने आई है। पटना हाईकोर्ट को नया चीफ जस्टिस मिल गया है। ओड़िशा हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस संगम कुमार साहू को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति की औपचारिक अधिसूचना भारत सरकार के विधि एवं न्याय विभाग द्वारा जारी कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए जस्टिस साहू की नियुक्ति को मंजूरी दी है। पटना हाईकोर्ट में लंबे समय से कार्यवाहक व्यवस्था चल रही थी। अब जस्टिस साहू की नियुक्ति से हाईकोर्ट को स्थायी नेतृत्व मिलेगा, जिससे न्यायिक और प्रशासनिक मामलों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे पहले, जस्टिस सुधीर सिंह कार्यवाहक चीफ जस्टिस के रूप में न्यायिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। इस नियुक्ति की प्रक्रिया के पीछे सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम था। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने 18 दिसंबर 2025 को हुई बैठक में जस्टिस संगम कुमार साहू के नाम पर मुहर लगाई थी और उन्हें पटना हाईकोर्ट का 47वां चीफ जस्टिस बनाए जाने की अनुशंसा केंद्र सरकार को भेजी थी। कॉलेजियम की सिफारिश को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्ताव रखा। राष्ट्रपति द्वारा अंतिम मंजूरी के बाद औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी गई। जस्टिस संगम कुमार साहू ओड़िशा हाईकोर्ट में अपने संतुलित फैसलों और कानून की गहरी समझ के लिए जाने जाते हैं। वे न्यायिक मामलों में सख्त लेकिन न्यायपूर्ण रुख अपनाते हैं। उनके अनुभव और न्यायिक कौशल को देखते हुए कानूनी जानकार मानते हैं कि पटना हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई और न्यायिक सुधारों में नई गति आने की संभावना है।

कुएं में गिरने से दो मासूम बच्चों की मौत मां और बच्ची सुरक्षित, मचा हडकंप

एजेंसी। जमुई

जमुई जिले के सोनो थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलम्बा पंचायत के छपरडीह गांव में बीती देर रात एक ऐसा हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। गांव निवासी शमशेर अंसारी की पत्नी रुबेशां खातून (32) अपने तीन बच्चों के साथ गांव के पास स्थित एक कुएं में गिर गईं। इस दर्दनाक घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि मां और एक बच्ची की जान ग्रामीणों की तत्परता से बचा ली गई। घटना देर रात की बताई जा रही है, जब परिवार के लोग रोजमर्रा के कार्यों के बाद घर के आसपास थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किसी कारणवश रुबेशां खातून अपने बच्चों के साथ कुएं के पास पहुंचीं और असंतुलन के चलते वे सभी कुएं में गिर गईं। कुएं में गिरते ही शोरगुल मच गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने आवाज सुनकर तुरंत मौके की ओर दौड़ लगाई और बचाव कार्य

शुरू किया। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए रस्सियों और अन्य साधनों की मदद से कुएं में उतकर बचाव अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद महिला रुबेशां खातून और एक बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दोनों की हालत गंभीर थी, लेकिन समय रहते उन्हें बचा लिया गया। हालांकि, इस हादसे में दो मासूम बच्चों–5 वर्षीय अमीर अंसारी और 8 वर्षीय अनीश खातून–को नहीं बचाया जा सका। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे गांव में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही सोनो थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना के एसआई नन्हे कुमार दुबे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने दोनों मृत बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आखिर महिला और बच्चे कुएं के पास क्यों गए थे और हादसा कैसे हुआ।

बिहार में जनवरी भर शीतलहर का कहर : मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में जनवरी महीने की शुरूआत के साथ ही ठंड ने लोगों की सहनशीलता की परीक्षा लेनी शुरू कर दी है। मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जारी करते हुए कहा है कि पूरे जनवरी महीने में शीतलहर का असर लगातार बना रह सकता है। राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है, वहीं दिन और रात के तापमान में ज्यादा अंतर नहीं होने से पूरे दिन ठिठुरन महसूस हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं और पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी का सीधा असर बिहार के मैदानी इलाकों पर

पड़ रहा है। इसके कारण राज्य में शीतलहर और कोल्ड डे की स्थिति बार-बार बन रही है। कई जिलों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि जनवरी के दौरान कुछ इलाकों में अल्प वर्षा हो सकती है। हल्की बारिश के बाद तापमान में और गिरावट आने की आशंका है, जिससे ठंड और बढ़ेगी। खासकर उत्तरी और मध्य बिहार के जिलों में शीतलहर का प्रभाव अधिक रहने का अनुमान है। किसानों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि ठंड और कोहरे का असर फसलों पर पड़ सकता है। राजधानी पटना सहित गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया, भागलपुर और सहरसा जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तापमान इससे भी नीचे जा सकता है। लगातार ठंड के कारण लोग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेने को मजबूर हैं। सड़कों और रेलवे ट्रैक पर कोहरे के कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है। कई ट्रेनों के विलंब से चलने और उड़ानों के रद्द होने की स्थिति भी सामने आ सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस मौसम में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त गर्म पेय पदार्थ लेने की अपील की गई है। साथ ही खुले में अलाव जलाते समय आग से सुरक्षा का ध्यान रखने को भी कहा गया है। प्रशासन की ओर से भी ठंड को देखते हुए रैन बसेरों और सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण का कार्य भी तेज किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे जारी किए जा रहे मौसम अपडेट और अलर्ट पर ध्यान दें तथा अनावश्यक यात्रा से बचें। कुल मिलाकर, जनवरी में बिहार में ठंड का असर लंबे समय तक बने रहने की संभावना है। शीतलहर और संभावित अल्प वर्षा के कारण जनजीवन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में सतर्कता और सावधानी ही ठंड से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

रेलवे गेट पर हमला, गेटमैन को पीटकर किया बेहोश, दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन

एजेंसी। बगहा

बगहा (पश्चिम चंपारण) जिले के पटखौली थाना क्षेत्र अंतर्गत सूरजपुरा स्थित रेलवे ढाला संख्या छउ-53 पर गुरूवार देर रात असामाजिक तत्वों ने रात्रि ड्यूटी में तैनात गेटमैन पर जानलेवा हमला कर दिया। नशे में धुत करीब एक दर्जन लोगों ने जबरन रेलवे गेट खुलवाने का दबाव बनाया और नियमों के अनुसार मना करने पर गेटमैन की बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल गेटमैन को मारपीट के बाद बेहोश हालत में छोड़ दिया गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरजपुरा रेलवे ढाला छउ-53 पर रात्रि ड्यूटी के दौरान गेटमैन भीम कुमार गुप्ता ने रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए ट्रेन आवागमन को देखते हुए गेट बंद रखा था। इसी दौरान देर रात कुछ युवक नशे की हालत में वहां पहुंचे और गेट तुरंत खोलने का दबाव बनाने लगे। गेटमैन ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि ट्रेन की आवाजाही के कारण गेट खोलना खतरनाक हो सकता है और यह नियमों के विरुद्ध है। इतना सुनते ही हमलावर उग्र हो गए और गाली-गलौज करते हुए गेटमैन पर टूट पड़े।